वार्ड नंबर तीन

जिला अस्पताल के वार्ड नंबर तीन के बाहर गलियारे में पचहत्तर साल के मंशाराम हर सुबह नौ बजे इस निष्ठा से आकर बैठ जाते थे जैसे कोई ईमानदार भ्रष्टाचारी अपनी अगली किश्त का इंतज़ार करता है। उनके हाथों में लोहे की एक पुरानी ज़ंग लगी व्हीलचेयर का उखड़ा हुआ चमड़े का हत्था होता था जिसे वे अपनी धोती के पल्ले से इस आत्मीयता से पोंछते थे जैसे कोई नेता चुनाव के बाद अपने दागदार चरित्र को धो रहा हो।

अस्पताल का नया वार्ड बॉय जब भी उन्हें देखता तो ऐसी चुटकी लेता जो सरकारी फाइलों की चुभन से भी तेज़ होती और कहता कि बाबा जब हर वीआईपी मरीज़ को नया स्ट्रेचर और आम आदमी को नई उम्मीद का झांसा मिल रहा है तो इस कबाड़ को अपनी छाती से लगाकर डॉक्टरों का रास्ता क्यों रोकते हो। अस्पताल में डॉक्टरों का रास्ता रोकना दरअसल लोकतंत्र का रास्ता रोकने जैसा अपराध है क्योंकि दोनों ही जगह केवल वीआईपी गाड़ियां ही बिना रुके निकल सकती हैं। मंशाराम अपनी धुंधली आँखों से उसकी तरफ देखते और बहुत शांत स्वर में उत्तर देते कि बेटा यह लोहे का टुकड़ा केवल कबाड़ नहीं है बल्कि इस सरकारी अस्पताल की उस अंधी संवेदनहीनता का हिस्सा है जो रोज़ जिन्दगियों का सौदा ऐसे करती है जैसे बाज़ार में सड़ी हुई सब्ज़ियां बिक रही हों।

आसपास खड़े तीमारदार और कर्मचारी उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बूढ़े का दिमाग उम्र के साथ वैसा ही सठिया चुका है जैसा हमारे देश का शिक्षा तंत्र जो डिग्रियां तो बाँटता है पर अक्ल छीन लेता है। वे कहते कि यह टूटी व्हीलचेयर के हत्थे को ढाल बनाकर पूरे महकमे से मुकाबला करने चला है मानो कोई अकेला सच का सिपाही संसद में नैतिकता की तलाश कर रहा हो। मंशाराम किसी की कड़वी बात का बुरा माने बिना उस उखड़े हुए हत्थे को अपनी कांपती हथेलियों में वैसे ही भींचे रहते थे जैसे एक मध्यमवर्गीय आदमी अपनी आखिरी बचत को महंगाई से बचाता है। अस्पताल के सभी कर्मचारी उनके इस अनूठे नियम से वाकिफ़ थे और उन्हें एक हठी बुज़ुर्ग मानकर वैसे ही अनदेखा कर देते थे जैसे सरकार बेरोज़गारी के आंकड़ों को कर देती है।

दफ़्तर का बड़ा बाबू जब भी फ़ाइलों का ढेर लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के केबिन की तरफ बढ़ता तो फाइलों का बोझ नहीं बल्कि दबे हुए अरमानों का कब्रिस्तान लगता था तो मंशाराम उम्मीद के सहारे खड़े हो जाते। वे पूछते कि बाबू जी क्या आज उस आयुष्मान योजना वाले कागज़ पर साहब की मुहर लग गई जो गरीबों के लिए वैसे ही दुर्लभ है जैसे किसी भ्रष्ट विभाग में ईमानदारी का मिलना।

बाबू गुस्से में चश्मा उतारकर ऐसे डांटता जैसे वह खुद उस योजना का मालिक हो और कहता कि बाबा जब तक पोर्टल पर एप्रूवल का लाल निशान नहीं दिखेगा तब तक मुफ़्त इलाज का कागज़ पास नहीं होगा क्योंकि हमारे यहाँ इंसान की जान से ज़्यादा पोर्टल की सांसे मायने रखती हैं। तुम इस लोहे के हत्थे को लेकर ताउम्र यहाँ चक्कर काटते रहोगे क्योंकि सरकारी दफ़्तरों के चक्कर और यमराज का बुलावा दोनों में से यमराज ही ज़्यादा जल्दी सुनता है। मंशाराम बिना कोई प्रतिवाद किए वापस अपनी जगह पर बैठ जाते और उस ज़ंग को उंगलियों से कुरेदने का वैसा ही निरर्थक प्रयास करते जैसा कोई नागरिक प्रशासन से जवाब मांगने का करता है।

अस्पताल में लोग तरह तरह की बातें करते कि शायद बाबा की कोई मेडिकल क्लेम की फ़ाइल अटकी है क्योंकि यहाँ बिना अटके तो सांस भी नहीं आती। किसी को भी उस उखड़े हत्थे और सरकारी पोर्टल के बीच छुपे उस भयानक रहस्य की भनक नहीं थी जो फाइलों के लाल फीते में लिपटा हुआ किसी डायन की तरह मुस्कुरा रहा था।

एक दिन अचानक सूबे के नए स्वास्थ्य मंत्री जी औचक निरीक्षण करने पहुँच गए जो दरअसल एक ऐसा अनुष्ठान है जिसमें सच को सफ़ेद चादरों के नीचे दफन कर दिया जाता है। साहब की गाड़ी आते ही डॉक्टरों में ऐसी अफ़रा तफ़री मच गई जैसे किसी ईमानदार आदमी के घर इनकम टैक्स का छापा पड़ गया हो। निरीक्षण पूरा करने के बाद जब मंत्री जी पत्रकारों की भीड़ के साथ बाहर निकले जो कैमरों के साथ सच को फेम करने की कोशिश कर रहे थे तो उनकी नज़र मंशाराम पर पड़ी।

अपनी जनप्रिय छवि का प्रदर्शन करने के लिए मंत्री जी तुरंत बाबा के पास पहुँचे क्योंकि चुनाव नज़दीक हों तो पत्थर भी देवता और गरीब भी मतदाता नज़र आता है। मंत्री जी बड़े दुलार से बोले कि बाबा आप इस उम्र में यह लोहे का हत्था गोद में लिए क्यों बैठे हैं क्या आपको मुफ़्त इलाज और आयुष्मान कार्ड का लाभ नहीं मिल रहा जो हमारी सरकार ने स्वर्ग की सीढ़ी की तरह बनवाया है। मंशाराम ने अपनी सूजी हुई आँखों से मंत्री जी की तरफ देखा और वह ज़ंग लगा हत्था आगे फैलाते हुए बोले कि साहब जी अगर न्याय करना चाहते हैं तो ज़रा इस लोहे के हत्थे पर लगी इस लाल मुहर का सच जान लीजिए जो आपकी व्यवस्था के माथे पर कलंक की तरह चिपकी है।

मंत्री जी ने देखा तो उस पर स्टोर की लाल मुहर लगी थी जिस पर लिखा था अनुपयोगी एवं कबाड़ घोषित और यही शब्द शायद इस देश के आम आदमी की नियति भी बन चुके हैं। मंशाराम की आँखों से आंसुओं के दो मोटे कतरे ढलककर उस ज़ंग लगे लोहे पर गिर पड़े और वे बोले कि साहब दो साल पहले मेरी पोती गंभीर हालत में यहाँ लाई गई थी पर अस्पताल की तमाम व्हीलचेयर वैसे ही टूटी थीं जैसे सरकारी वादे।

मैं उसे गोद में उठाकर भाग रहा था कि इस टूटी व्हीलचेयर का यह हत्था उखड़ गया और मेरा पैर फिसल गया क्योंकि यहाँ की सीढ़ियाँ भी भ्रष्टाचार के तेल से चिकनी हैं। मेरी पोती मेरे हाथों से छूटकर सीढ़ियों पर गिर पड़ी और सही समय पर स्ट्रेचर न मिलने के कारण उसने दम तोड़ दिया पर अफ़सरों ने कागज़ों में लिख दिया कि मौत बीमारी से हुई है क्योंकि कागज़ कभी शर्मिंदा नहीं होते। मंशाराम ने हिचकी लेते हुए कहा कि मैं रोज़ यह हत्था यहाँ इसलिए लाता हूँ ताकि आपकी इस व्यवस्था को बता सकूँ कि सरकारी फाइलों का लाल फीता और ये टूटी व्हीलचेयर निर्दोष मासूमों की जान ले लेती हैं और आप इसे विकास का नाम देते हैं। यह सुनते ही मंत्री जी का हाथ कांप गया और पूरा अस्पताल परिसर ऐसे स्तब्ध रह गया जैसे किसी ने भरे दरबार में सच का नग्न प्रदर्शन कर दिया हो।

पांजरिया में वारंटी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला

एस आई समेत 3 जवान घायल, 4 पर केस दर्ज

महू (इंदौर समाचार) महू तहसील के बाद बडगोंडा थाना क्षेत्र के ग्राम पांजरिया में स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर आरोपी के परिजनों ने जानलेवा हमला कर शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की।

इस हमले में उपनिरीक्षक मिथुन ओसारी सहित तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चार नामजद आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और एससी-एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

वारंटी को छुड़ाने के लिए किया हमला

जानकारी के अनुसार, बडगोंदा थाना पुलिस की टीम न्यायालय से जारी स्थायी वारंट की तामीली के लिए ग्राम पांजरिया निवासी रामगोपाल यादव के ठिकाने पर पहुंची थी।

पुलिस टीम ने जैसे ही वारंटी रामगोपाल को हिरासत में लिया, उसके परिजनों और समर्थकों ने पुलिस टीम को घेर लिया और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। परिजनों ने न सिर्फ शासकीय कार्य में व्यवधान डाला, बल्कि पुलिस अभिरक्षा से आरोपी को छुड़ाने का प्रयास भी किया।

घायल जवानों का उपचार जारी

अचानक हुए इस हमले में एसआई मिथुन ओसारी और दो अन्य पुलिसकर्मी चोटिल हो गए। घटना के बाद अतिरिक्त पुलिस बल के मौके पर पहुंचते ही हमलावर भाग खड़े हुए। घायल पुलिसकर्मियों को तत्काल शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

चार आरोपियों पर संगीन धाराओं में मामला दर्ज

घटना को गंभीरता से लेते हुए बडगोंदा थाना पुलिस ने पुलिस टीम पर हमला करने, शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर मारपीट करने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं और अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

महू में यातायात पुलिस की बड़ी कार्रवाई

17 उपनगरीय बसों पर बनाए गए चालान, प्रतिबंधित प्रेशर हॉर्न भी जब्त

महू (इंदौर समाचार) नगर में यातायात व्यवस्था को सुचारू, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा उपनगरीय बसों के विरुद्ध एक विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाली कुल 17 उपनगरीय बसों के चालान काटे गए।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार वर्मा के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राज कृष्ण के निर्देशन तथा डीएसपी ट्रैफिक नितिन सिंह के नेतृत्व में अंजाम दी गई।

दस्तावेजों और प्रेशर हॉर्न की हुई कड़ी जांच

अभियान के तहत टीम ने सड़क पर दौड़ रही उपनगरीय बसों को रोककर उनके आवश्यक दस्तावेजों की गहनता से जांच की।

दस्तावेज सत्यापन- बसों के बीमा, पीयूसी, परमिट और चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच की गई। इसके अलावा बस चालकों एवं परिचालकों की निर्धारित वर्दी, वाहनों में अवैध रूप से लगे प्रतिबंधित प्रेशर हॉर्न निकालकर जब्त किए गए।

चेकिंग के दौरान जिन बसों में आवश्यक दस्तावेजों की कमी पाई गई अथवा जो बसें यातायात नियमों का उल्लंघन करते पाई गई, उनके विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई की गई।

इसके अतिरिक्त, जिन बसों में प्रतिबंधित प्रेशर हॉर्न लगे मिले, उन्हें मौके पर ही निकलवाकर पुलिस टीम द्वारा जब्त कर लिया गया।

यातायात पुलिस की अपील

यातायात पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सड़क पर यात्रियों की सुरक्षा और सुव्यवस्थित आवागमन पहली प्राथमिकता है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ यह चालानी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। पुलिस ने सभी वाहन चालकों से यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करने की अपील की है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

सांवेर (राहुल प्रजापत)। शासकीय महाविद्यालय सांवेर में शनिवार को हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किशोर एरंडे एवं डॉ. मलानी जॉनसन ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर किया।

प्राचार्य डॉ. किशोर एरंडे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और टीम भावना के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में एनके पाण्डे, डॉ. डीएस कनेल, प्रो. नारायण चौधरी, डॉ. दर्शिनी देव, डॉ. सोनाली जैन सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस दौरान ऑनलाइन खेल क्विज प्रतियोगिता, कबड्डी एवं रस्साकशी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेता विद्यार्थियों को प्राचार्य डॉ. किशोर एरंडे ने सम्मानित किया।

धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन

सांवेर (राहुल प्रजापत)। नगर व आसपास ग्रामीण अंचल में शुक्रवार को भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन धूमधाम से मनाया गया। पर्व का उत्साह छोटे से लेकर बड़ों तक में दिखाई दिया।

पहले घरों में भगवान की पूजा अर्चना कर उन्हें राखी बांधकर पर्व की शुरुआत की गई। इसके बाद बहनों ने अपने भाइयों को तिलक लगाकर व मुंह मीठा कराकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बंधे। भाइयों ने भी उन्हें उनका उपहार भेंट कर उनकी रक्षा करने का वचन दिया। पर्व को लेकर बाजार में भी रौनक दिखाई दी। राखी, मिठाई, नारियल, कपड़ा व ज्वेलर्स आदि दुकानों पर सुबह से लेकर शाम तक अच्छी भीड़ रही। नगर से आने जाने वाली बसों में भी खचाखच भरी देखने को मिली।

चार डंडा पार्टियों ने किया प्रदर्शन, मेला लगा

यातायात व्यवस्था चरमराई

महू (इंदौर समाचार) शहर में राखी के दूसरे दिन पारंपरिक रूप से भुजरिया पर्व मनाया गया। इस दौरान चार डंडा पार्टियों ने शाम को नगर के विभिन्न मार्गों पर भ्रमण करते हुए पारंपरिक रूप से डंडों से गोल घेरे में खेलने का प्रदर्शन किया।

दिन भर लगा मेला

दिनभर मेला भी लगा। मेला क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही से कई बार यातायात उलझता रहा।

तांगा खाना से लेकर मस्जिद चौराहे के बीच में शनिवार सुबह से ही भुजरिया का मेला लगा। सड़क के दोनों तरफ झूले व खिलौने आदि की दुकानें लगी।

मेला मार्ग पर दिनभर पुलिस व यातायात पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्शन को लेकर ध्यान नहीं किया। यही वजह रही कि मेला मार्ग पर दिनभर यातायात उलझता रहा।

चार डंडा पार्टियां भी भ्रमण करने पहुंची

भुजरिया पर्व पर निकली लाल जी की बस्ती, सुतार खेड़ी, सांतेर तथा कट कट खेड़ी की पारंपरिक डंडा पार्टियों ने शहर के विभिन्न मार्गों पर युवाओं ने पारंपरिक रूप से ढोलक की थाप पर डंडा खेलने का प्रदर्शन किया।

जन्माष्टमी जुलूस की तैयारियों पर चर्चा के लिए बैठक आज शाम

इंदौर। शहर के यादव अहीर संगठनों द्वारा अपने कुलदेवता भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव 4 सितम्बर को धूमधाम से मनाने की जोरदार तैयारियां की जा रही हैं।

यादव अहीर समाज केंद्रीय समिति के तत्वावधान में समाज के 25 से अधिक संगठनों की महत्वपूर्ण बैठक रविवार 30 अगस्त को शाम 5 बजे से नंदबाग, श्वेता परिसर, दशरथ नगर पूल के पास रखी गई है जिसमें शहर के सभी प्रमुख यादव अहीर संगठनों के पदाधिकारी और प्रतिनिधि शामिल होकर 4 सितम्बर को निकलने वाली परंपरागत शोभा यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देंगे।

केंद्रीय समिति के संरक्षक दीपू यादव ने बताया कि बैठक में निगम सभापति मुन्नालाल यादव, पूर्व पार्षद शंकर यादव, पूर्व पार्षद रमेश यादव उस्ताद, बीएसएफ के पूर्व आईजी अशोक यादव सहित शहर के सभी यादव अहीर संगठनों के पदाधिकारी आमंत्रित किए गए हैं। इ

स बार भी यह शोभा यात्रा 4 सितम्बर को सुबह 10 बजे बड़ा गणपति चौराहे से प्रारम्भ होकर श्रम शिविर जेल रोड तक निकाली जाएगी।

कार्टून कोना...

श्रावणी उपाकर्म श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न

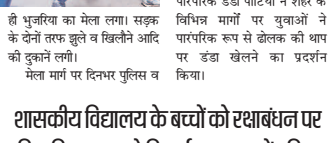

देवास,अतिमयादव । जागृति श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज सेवा संगठन द्वारा प्रयाग गार्डन में श्रावणी उपाकर्म का आयोजन वेदमूर्ति पं.आशुतोष शुक्ल के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दशविधि स्नान,हेमाद्री, तर्पण, पूजन-अर्चन, हवन एवं आरती के साथ श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर संपूर्ण देवास जिले की श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज की जनगणना सर्वे का शंखनाद अध्यक्ष प्रमोद तिवारी द्वारा किया गया। संगठन द्वारा जनगणना के माध्यम से समाज के प्रत्येक परिवार तक पहुंचने एवं सामाजिक गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की सफलता में संरक्षक, मार्गदर्शक तथा आशीर्वाददाताओं एवं समस्त कार्यकारिणी के सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम मे मोहनलाल तिवारी, लोकेन्द्र व्यास, पुष्कराज शुक्ल, सूरजमल दुबे, सुभाष पंडया, अनिल पंडया, पपलेश जोशी आदि सहित बड़ी संख्या मे पधारे समाजजनों का जाग्रति संगठन के वासुदेव शर्मा , प्रमोद तिवारी, सुभाष शर्मा, रमेश जोशी, आशुतोष दुबे आदि ने हार्दिक स्वागत, अभिनंदन एवं आभार व्यक्त किया।

शासकीय विद्यालय के बच्चों को रक्षाबंधन पर विद्यामित्र समूह ने मिठाई व उपहार भेंट किए

महू (इंदौर समाचार) विगत 11 वर्षों से लगभग 12 शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक सामग्री वितरित करने वाला विद्यामित्र समूह इसी भावना को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष रक्षाबंधन पर्व पर विभिन्न शालाओं के बच्चों के लिए मिठाई,उपहार आदि भेजकर उन्हें मुस्कुराने का मौका प्रदान करता है।

इस वर्ष भी रक्षाबंधन पर्व के निमित्त विद्यामित्र समूह द्वारा महू तहसील के ग्राम कुराड़ाखेड़ी,सीतापाट एवं पांजरिया स्थित शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का मुंह मीठा करवाकर उन्हें उपहार भेंट किए।

विद्यामित्र समूह के संयोजक दीपक विभाकर नाईक ने बताया कि समूह में 62 सदस्य है जो अपनी सुविधा अनुसार प्रकल्प में सहयोग करते रहते है।इस प्रकल्प में स्मिता मुकादम,गिरीश खथूरिया,फिरोज बड़नगरवाला और माधुरी भागवत ने सहयोग दिया।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मकान नंबर 103-बी सुदामानगर इन्दौर के मूल स्वामी अशोक सुखयानी उर्फ बिरजू है उनके निधन के पश्चात उक्त मकान की तल मंजिल पर शंकर चुगवानी तथा प्रथम मंजिल पर दीपक मोटवानी निवास करते हैं और उक्त मकान के असल दस्तावेज इन्हीं के पास है। उक्त मकान को निर्मला मोटवानी, ममता उर्फ सोनिया तलरेजा किन्ही फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विक्रय करने को तत्पर है जबकि इन्हें विक्रय करने का कोई अधिकार प्राप्त नहीं है यदि इनसे कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार उक्त मकान के संबंध में करता है तो वह अवैध होगा तथा उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

विजय कुमार अग्रवाल एडवोकेट
52, कालिंदी शिवालिक देवगुराड़िया इन्दौर (म.प्र.) मो. 9039624772